कार्यवाही

ग्राहक बनकर पहुंचा वन अमला!

बाघ के अंगों की तस्करी का भंडाफोड़, 5 को दबोचा

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट में वन विभाग ने वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विभाग को पिछले डेढ़ महीने से इस गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी।

तस्करों को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम खुद 'खरीददार' बनी और सौदा तय कर आरोपियों को पकड़ा। अधिकारियों का दावा है कि जब्त की गई हड्डियां दो अलग-अलग बाघों की हैं, जिन्हें पुष्टि के लिए लैब भेजा गया है।

मंडला से जुड़े हैं तस्करी के तार

पश्चिम सामान्य परिक्षेत्र बैहर के अधिकारी कंदर्फ भट्ट ने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों कंकाल बाघ के ही लग रहे हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला है कि एक बाघ की हड्डियां वे मंडला जिले के बम्हनी बंजर इलाके से लेकर आए थे।

हालांकि, दूसरे बाघ का कंकाल उनके पास कहां से आया, इसे लेकर अभी पूछताछ की जा रही है। वन विभाग अब इस बात की भी गहराई से तफ्तीश कर रहा है कि इन बाघों का शिकार कैसे हुआ और उनके शरीर के बाकी हिस्से (जैसे खाल और नाखून) कहां हैं।

वन विभाग ने वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जिन पांच आरोपियों को जेल भेजा। रामलाल टेकाम (52): निवासी कुरवाही (बिछिया, मंडला), दशरथ परते (45): निवासी बिछिया (मंडला), भीम सिंह परते: निवासी हर्राभाट (परसवाड़ा), रविन्द्र सोनकुसरे: निवासी छपारा, राजकुमार सोनकुसरे: निवासी छपारा

पकड़े गए आरोपियों के अलावा वन विभाग की टीम एक अन्य संदेही देवीदयाल ढोढरे को हिरासत में लेकर उसके साथियों और इस नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। इस पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में वनकर्मी देवेंद्र मरावी, ओंकार चौधरी, नरेंद्र मर्सकोले, अरुणेंद्र शेखर तिवारी, प्रमोद बंजारी, चंद्रशेखर मरकाम, सूरज नायक और अक्षय यादव की मुख्य भूमिका रही।

प्लांट प्रतिनिधि व सुपरवाइजर गिरफ्तार, मिलर्स अब भी फरार

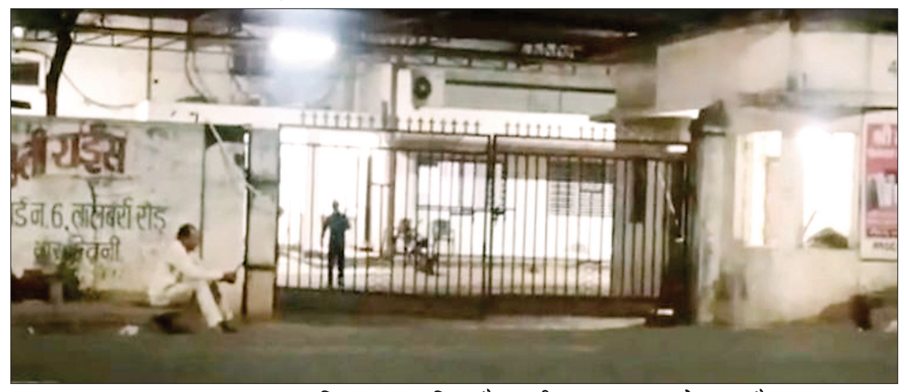

घोटाले की जड़ तक पहुंचेगी जांच या फिर होगा लीपापोती?

नवभारत, बालाघाट। सरकारी चावल के करोड़ों के खेल में अब परतें तेजी से खुलने लगी हैं। 17 दिन बाद एसआईटी की कार्रवाई ने घोटाले के अहम किरदारों को दबोच लिया है, लेकिन मास्टरमाइंड अब भी पकड़ से बाहर है। सवाल बड़ा है—क्या रसूख और सियासी कनेक्शन कानून पर भारी पड़ रहे हैं? पुलिस ने एथेनॉल प्लांट के प्रतिनिधि और सुपरवाइजर को गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक इस मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

एथेनॉल प्लांट के नाम पर हुए सरकारी चावल घोटाले में एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने प्लांट प्रतिनिधि राहुल पिता गंगाराम प्रताप (24) और सुपरवाइजर व सहयोगी राकेश पिता विपीन श्रीवास्तव (43) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर 27 जून तक रिमांड पर लिया गया है। हालांकि, इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी और संचेती राइस मिल का संचालक सौरभ संचेती अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। अब तक इस प्रकरण में तीन गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

विदित हो कि इस मामले में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(3) और 3(5) के तहत वारासिवनी थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर के बाद नागरिक आपूर्ति निगम ने संचेती राइस मिल को धान आवंटन और कस्टम मिलिंग पर तत्काल रोक लगा दी थी। मिल को आवंटित 68 लॉट में से 12 लॉट का चावल अब तक जमा नहीं किया गया है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों की वनरक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत अभिलेख परीक्षण एवं पैदल चाल सम्पन्न

बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विशेष पिछड़ी जनजातियों के अभ्यर्थियों की वनरक्षक पद पर सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत वन वृत्त बालाघाट में अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन वृत्त बालाघाट अंतर्गत नोडल कार्यालय दक्षिण सामान्य वनमण्डल बालाघाट में वनरक्षक पदों के लिए ऑफलाइन माध्यम से कुल 4314 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रारंभिक परीक्षण के उपरांत पात्र पाए गए 175 अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल हेतु कॉल लेटर जारी कर आमंत्रित किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के तहत 22 जून 2026 को वन क्षेत्रपाल महाविद्यालय परिसर, बालाघाट में अभिलेख परीक्षण एवं शारीरिक माप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 51 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और उनके दस्तावेजों का सत्यापन तथा शारीरिक मापदंडों की जांच की गई।

कान्हा टाइगर रिजर्व में फिर एक बाघ की मौत

नवभारत, बैहर। कान्हा टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण के तहत गंभीर रूप से बीमार पाए गए एक बाघ को समय रहते रेस्क्यू कर विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार उपलब्ध कराया गया, लेकिन लगातार चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई।

जानकारी के अनुसार, 4 जून 2026 को हाथी गश्ती के दौरान किसली परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 777 स्थित संदूक खोल क्षेत्र में एक बाघ अत्यंत अस्वस्थ अवस्था में दिखाई दिया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर बाघ को मुक्की क्वारंटाइन सेंटर में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जांच में उसमें केनाइन डिस्टेंपर रोग के लक्षण पाए गए थे।

बाघ के उपचार के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारियों, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर तथा वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट (डब्ल्यूसीटी) के विशेषज्ञ चिकित्सकों की संयुक्त टीम लगातार सक्रिय रही। इसके अलावा देश के वरिष्ठ वन्यजीव विशेषज्ञों से भी तकनीकी सलाह लेकर उपचार किया गया। हालांकि, गहन चिकित्सा और सतत निगरानी के बावजूद बाघ को बचाया नहीं जा सका।

बाघ की मृत्यु के बाद एनटीसीए प्रोटोकॉल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भोपाल के निर्देशों के अनुरूप शव परीक्षण की कार्रवाई की गई। डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. आशीष वैद्य एवं डॉ. अनुष्का उपाध्याय के विशेषज्ञ दल ने पोस्टमार्टम किया। परीक्षण में बाघ के सभी महत्वपूर्ण अंग सुरक्षित पाए गए। मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच हेतु आवश्यक नमूने सुरक्षित रखे गए हैं। शव परीक्षण के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नामित सदस्यों की उपस्थिति में बाघ का सम्मानपूर्वक भस्मीकरण किया गया। इस दौरान क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी, सहायक संचालक अजय ठाकुर, तहसीलदार बैहर जमुना प्रसाद भगत, एनटीसीए प्रतिनिधि परशुराम चौहान, फील्ड बायोलॉजिस्ट अजिंक्य देशमुख, मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक चंद्रेश खरे, सरपंच शकुंतला मरकाम सहित वन विभाग का अमला मौजूद रहा।

पुरातत्व संग्रहालय में वीरांगना दुर्गावती के बलिदान पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

नवभारत, बालाघाट। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय में महारानी दुर्गावती का 462 वाँ बलिदान दिवस पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। उक्त अवसर पर संग्रहाध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार, मिश्रीलाल साहू, राजेन्द्र कुमार शिवहरे, राजेन्द्र कुमार ब्रम्हे, सतीश भारद्वाज, दिनेश नेमा, बेनीराम बसेने, कलाबाई बसेने, विष्णुसिंह मर्सकोले सहित आदि उपस्थित थे। संग्रहाध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने अपने उद्बोधन में कहा महारानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। महोबा के राठ गांव में 1524 ई. की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस और शौर्य के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। उनका विवाह गढ़ मंडला के प्रतापी राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपतशाह से हुआ। पर दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय नारायण ही था। अत: रानी ने स्वयं ही गढ़मंडला का शासन संभाल लिया। उन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया।

उमरी के पास ट्रेन से कटकर युवक की मौत

मृतक के पास मिली नागपुर के एक कैंसर अस्पताल की फाइल

नवभारत कटंगी। कटंगी से गोंदिया जाने वाली ट्रेन क्रमांक 68810 से तिरोड़ी तहसील के ग्राम सुकली निवासी किशन मर्सकोले की उमरी के पास रेलवे ट्रैक पर कटी हुई लाश मिली है। मृतक के पास से नागपुर के एक कैंसर हॉस्पिटल की फाइल भी बरामद हुई है, जिससे घटना ने नया मोड़ ले लिया है।

बुधवार को उमरी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत शव पड़ा होने की सूचना पर रेलवे स्टाफ और स्थानीय लोगों ने पुलिस को खबर दी। सूचना मिलते ही कटंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

आज होगा पोस्टमार्टम

कटंगी पुलिस ने घटनास्थल पर पंचनामा बनाकर शव को रेलवे ट्रैक से हटवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह कटंगी लाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा। इसके बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

ट्रेनों का आवागमन हुआ बाधित

घटना के बाद कुछ देर के लिए अप-डाउन लाइन पर अन्य ट्रेनों का आवागमन भी बाधित रहा। ट्रैक क्लियर होने के बाद रेल यातायात सामान्य किया गया।

कैंसर फाइल से उठे सवाल

मृतक के पास से नागपुर के कैंसर अस्पताल की फाइल मिलने से आत्महत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। यह हादसा है या आत्महत्या, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही साफ होगा। पुलिस के अनुसार प्रथम प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से कटने का लग रहा है। कैंसर अस्पताल की फाइल मिली है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोपी राजा अली को बचाने का विधायक विवेक पटेल पर लगाया आरोप

भाजपा की नपा परिषद के बड़े-बडे विकास कार्यों और जनता दरबार में बढ़ते जनविश्वास को सहन नहीं कर पा रहे कांग्रेसी विधायक

नवभारत, वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रेस नोट जारी कर विधायक विवेक पटेल पर जमकर हमला बोला है। जिसमे फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोडो रूपये की धोखाधडी करने वाले वारा के पूर्व सरपंच राजा अली को बचाने के भी आरोप शामिल है। साथ ही पूर्व मंत्री ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नितियो के खिलाफ गत दिवस कांग्रेस के धरना प्रदर्शन मे विधायक विवेक पटेल के भाषण को फेक नेरेटिव सेट करने की कोशिश करार दिया है। साथ ही विवेक पटेल से सीधा सवाल करते हुये उन्होने आरोप लगाते हुये कहा है की कभी विधायक विवेक पटेल अपने तात्कालिन नपा परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल मे भ्रष्टाचार की लंबी लिस्ट पर निगाह तो फैला लेते तो उन्हे आरोपो की राजनिती क्या होती यह अवश्य पता चल जाता।

विधायक के करीबी साथी पर लगे हैं करोड़ों रूपये के धोखाधड़ी के आरोप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रेस नोट मे कहा है की विधायक विवेक पटेल के करीबी साथी वारा के पूर्व सरपंच राजा अली ने लाभ कमाने का प्रलोभन देकर फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर नगरीय व ग्रामीण जनता से धोखाधडी की है। यह मामला लगभग 25 करोड से उपर का हो चुका है। अनेको प्रार्थीयो ने पुलिस मे लिखित शिकायत भी दर्ज करा दी है। पर आज तक आरोपी राजा अली के उपर कोई कार्यवाही न होना और विधायक विवेक पटेल द्वारा इस मामले मे पुरी तरह चुप्पी साध लेने से प्रतित हो रहा है की वह अपने करीबी साथी को बचा रहे है। जबकि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रो से रोज आकर पीडित पुलिस थाने मे शिकायत दर्ज करवा रहे है।

रामपायली नहीं बल्कि नगर की चारों दिशाओं में डिवाईडरों पर लग रही है एलईडी लाईट

विधायक विवेक पटेल को जमकर आडे हाथो लेते हुये पूर्व मंत्री ने कहा है की नपा परिषद के बडे बडे विकास कार्य विधायक पटेल को नही सहन हो रहे है। अत उन्होने धरना प्रदर्शन मे मनमानी आरोपो की राजनिती के कदम को पंसद किया है। विधायक के एक आरोप मे हकीकत यह है की वारासिवनी नगर मे बालाघाट मार्ग, रामपायली मार्ग , कंटगी मार्ग और लालबर्रा मार्ग पर सभी तरफ की चौडी चौडी एंट्री पर डिवाईडरो पर एलईडी लाईट लग रही है या लग चुकी है।

नपा चुनाव में कांग्रेस का एक भी पार्षद नहीं जीतने की अभी तक निकाल रहे है खीज

गत दिवस के कांग्रेस के धरना प्रदर्शन मे विधायक विवेक पटेल के आरोपो के विषय मे जवाब देते हुये प्रदीप जायसवाल के अनुसार नपा परिषद के चुनाव मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेत्रत्व मे ही पूर्ण बहुमत से सरकार बनी थी। अत नपा परिषद मे अब जनता दरबार व बडे बडे विकास कार्यो मे उनका मार्गदर्शन मिलना नपा के लिये सौभाग्य की बात है। जनता दरबार मे जनता के जबरदस्त जनविश्वास को मिलते देख विधायक विवेक पटेल अपना आपा खो गये है। इसलिये सिर्फ आरोपो की राजनिती का सहारा ले रहे है। गौरतलब है की गत नपा चुनाव मे कांग्रेस का एक भी पार्षद जीत नही पाया था। अत उसकी खीज भी अब निकलते दिख रही है।

यह कैसी राजनीति, शासकीय मंचों पर मुख्यमंत्री से आर्शीवाद और कांग्रेस मंच पर जमकर हमला

प्रदीप जायसवाल ने प्रेस नोट मे कहा है की कांग्रेस के धरने प्रदर्शन मे विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव पर भी आरोपो की बौछार कर दी थी। जबकि हकीकत यह है की शासकीय कार्यक्रमो मे विधायक विवेक पटेल स्वंय अनेको बार मुख्यमंत्री का आर्शीवाद लेते हुये नजर आते है। और तो और नगर मे बडे बडे फलैक्स लगाकर मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त करते सहजता से दिख जाते है। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को मुख्यमंत्री ने 2 कौडी का बोला पर कांग्रेस चुपचाप बैठी रही। इसका अर्थ है की विधायक पटेल दो नाव पर सवारी कर रहे है।वहीं बीजेपी से न्योता मिलने का इंतजार कर रहे है और विपक्ष का विधायक होने का धर्म भूल गए है। जिससे वह कौन सी पार्टी के विधायक है अब जनता यह समझ ही नही पा रही है।

प्रदीप जायसवाल के अनुसार जब विवेक पटेल नपा अध्यक्ष थे, तब के कार्यकाल मे मेरे द्वारा टिकीट लाकर पद, प्रतिष्ठा एवं पैसा लगाकर चुनाव जीताने के बावजूद सबसे पहले मुझे धोखा दिया। और मुझसे अलग होकर नगरपालिका मे भस्टाचार की सारी सीमाओं को लांघकर बिजली सामान, सफाई पावडर, फिनाइल , बाल्टी खरीदी के नाम पर करोड़ो की फर्जी खरीदी कर रूपये का बंदरबाट भी किया है। विवेक पटेल ने अध्यक्ष रहते नगरपालिका की संपत्ति (सोसायटी को किराये से दिए गए दो कमरे) को बेच कर लाखो रूपये का गबन भी किया है। और उन दुकानों की फर्जी रजिस्ट्री भी हो गयी थी। जब मामला उजागर हुआ तब खरीददार के नाम नामांतरण नहीं हो पाया और उसके 20 लाख रूपये आखिर फंस ही गये।

प्रेस नोट मे उन्होने यह भी कहा है की नपा अध्यक्ष रहते विवेक पटेल ने तात्कालिन समय मे राजा भोज कंम्प्लेक्स मे आदिवासी कोटे की आरक्षित दुकान को नियमों को तक पर रखकर अपने सगे भाई के नाम पर हड़पने का काम किया है। वार्ड नंबर 8 और वार्ड नंबर 9 मे तालाब के सौन्दर्यकारण के नाम पर बिना कुछ किए लाखो रूपये के बिल भी निकल गये थे। इसी तरह जयस्तम्भ के पास द्वारका चाय दुकान के बाजु मे अवैध कब्जा कर दुकान बनाकर 10 लाख मे बेचने का प्रयास किया था। किन्तु एसडीएम ने तुरंत कार्यवाही कर अवैध दुकान तुड़वा दिया था। इसी प्रकार पद का दुरूपयोग करते हुये रामपायली रोड पर नजुल जमीन पर 20 बाई 20 की अवैध दुकान बनाई थी। और उसे भी 20 लाख रूपये मे बेचा जा रहा था । उसकी भी शिकायत मिलने पर एसडीएम द्वारा रामपायली रोड़ पर उसे तोड़ दिया गया था।

परीक्षाओं का निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण संचालन आवश्यक : शेंडे

तकनीकी व्यवस्थाओं का प्राचार्य एवं विकासखंड समन्वयक ने लिया जायजा

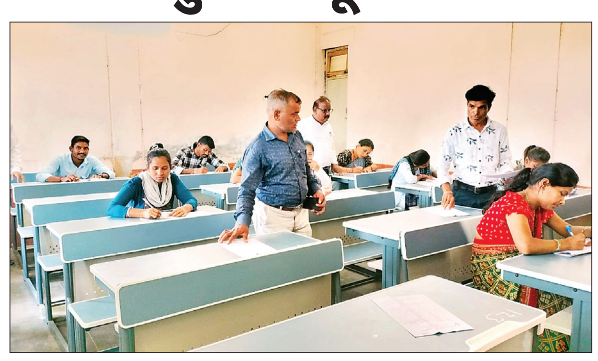

नवभारत कटंगी। राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू (बैचलर ऑफ सोशल वर्क) एवं एमएसडब्ल्यू (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) की मुख्य परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम अनुसार संचालित की जा रही हैं। परीक्षा का शुभारंभ 22 जून से हुआ तथा इसे दो पालियों में व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

बुधवार को प्रथम पाली में आयोजित एमएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष की परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार शेंडे एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान परीक्षा संचालन से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों का भ्रमण कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया तथा परीक्षा की गोपनीयता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु किए गए प्रबंधों का जायजा लिया।

दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा कराई जाए

उन्होंने प्रश्नपत्रों, उत्तरपुस्तिकाओं एवं परीक्षा संचालन से जुड़े आवश्यक अभिलेखों का अवलोकन करते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को शांत एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा देने के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की सराहना की।

सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण पहल

अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम समाजोन्मुखी नेतृत्व तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है और इसकी परीक्षाओं का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई तथा समस्त प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित की जा रही है।

धृतराष्ट्र बने जिला अध्यक्ष, कांग्रेसियों का अपमान जारी!

नवभारत, बालाघाट। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी द्वारा संगठन सृजन अभियान के माध्यम से पार्टी को मजबूत करने और जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मान दिलाने की मंशा के विपरीत बालाघाट जिला कांग्रेस में लगातार असंतोष, गुटबाजी और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के आरोप सामने आ रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिला नेतृत्व संगठन को मजबूती देने के बजाय कुछ व्यक्तियों के प्रभाव में काम कर रहा है, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट रहा है। जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर बिरसा क्षेत्र से आने वाले विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके को पुन: संगठन की कमान सौंपी गई, लेकिन उनके कार्यकाल में संगठन मजबूत होने के बजाय लगातार बिखरने के साथ विवादों में घिरता गया।

जांच पर ब्रेक, एक से दूसरी टेबल तक घूम रही फाइल

बंधक जमीन गायब होने के मामले में तीन माह बाद भी एफआईआर नहीं

नवभारत, किरनापुर। वेब जीआईएस पोर्टल और भू-अभिलेखों में कथित छेड़छाड़ कर बंधक जमीनों का रिकॉर्ड हटाने का मामला अब केवल एक राजस्व अनियमितता नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाता नजर आ रहा है।शिकायत को तीन से चार माह का समय बीत चुका है, जिला कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद जांच समिति भी गठित कर दी गई, दोषी व्यक्ति के खिलाफ जांच कर स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए, लेकिन हैरत की बात यह है कि आज तक मामला जांच के उसी चक्रव्यूह में फं सा हुआ है, जहां से वह बाहर निकलने का नाम नहीं ले रहा। सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में मामले को गंभीर मानते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया था। कलेक्टर स्तर से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। इसके बावजूद किरनापुर तहसील कार्यालय से जांच की रफ्तार इतनी सुस्त पड़ गई कि अब लोगों के बीच यह चर्चा होने लगी है कि आखिर इस मामले में कार्रवाई आगे क्यों नहीं बढ़ रही।

किस कारण से हो रही है कार्रवाई में देरी

इस गंभीर मामले में कभी शासकीय कार्यों की अधिकता का हवाला दिया जाता है, कभी कहा जाता है कि एसडीएम स्तर पर जांच चल रही है, तो कभी एडीएम की निगरानी में प्रकरण होने की बात सामने आती है। पुलिस द्वारा भी अपने स्तर पर जानकारी जुटाने की बात कही जा रही है, लेकिन इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित है कि यदि जांच पूरी नहीं हुई, तो एफआईआर के निर्देशों का पालन क्यों नहीं हुआ? और यदि पर्याप्त तथ्य मिल चुके हैं, तो कार्रवाई में देरी किस कारण हो रही है? सूत्र बताते हैं कि जिन तथ्यों के आधार पर प्रारंभिक जांच शुरू हुई थी, वे अपने आप में बेहद गंभीर हैं। बैंक में बंधक रखी गई जमीनों का रिकॉर्ड बिना वैधानिक प्रक्रिया के हटाया जाना, बिना बैंक अनापत्ति प्रमाण पत्र के ऑनलाइन प्रविष्टियों में परिवर्तन होना और कुछ मामलों में पुन: अन्य संस्थाओं में बंधक दर्ज होने जैसी परिस्थितियां किसी साधारण तकनीकी गलती की ओर नहीं, बल्कि सुनियोजित हेरफेर की ओर इशारा करती हैं।

मामले से जुड़े सूत्रों का यह भी कहना है कि संबंधित दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ अधिकारियों को ही दिलचस्पी नहीं है। यही कारण है कि जांच लगातार एक टेबल से दूसरी टेबल तक घूम रही है, लेकिन नतीजे तक नहीं पहुंच पा रही।